IIMR Millets Newsletter

ICAR-Indian Institute of Millets Research, Rajendranagar, Hyderabad. 500 030.

Serial No. 143 | Hyderabad ◘ Solapur ◘ Warangal | September, 2015

In this issue.....

1. Training Programme on "Value added processing for diversified food uses in sorghum"
2. Monitoring of Sorghum DUS testing trials
3. Task Force Meeting for Review of DUS Guidelines in Sorghum
4. IRC meeting
5. Sorghum stall at IIOR, Hyderabad
6. Best paper award to Dr. Chapke
7. Four member IIMR team visited China
8. Guest Lecture delivered
9. Seminar
10. Superannuation

Training Programme on "Value added processing for diversified food uses in sorghum"

Under NFSM project, an introductory two- day training programme entitled "Value added processing for diversified food uses in sorghum" was organized at Indian Institute of Millets Research during 22-23 September 2015 for the farmers and technical officers

of KVKs from Maharashtra state. A total of 50 participants from different districts of Maharashtra especially from self-help groups (SHGs) participated in this programme. Dr. VA Tonapi, In-charge Director, IIMR delivered the inaugural address. Dr. VR Bhagwat, Principal Scientist, IIMR presented the overview of sorghum value chain project and experiences and its impact. This training programme was formulated by Dr. B Dayakar Rao, Principal Scientist & Course Director. The training covered various aspects of production, post-harvest pest management, primary processing, value addition, nutritional aspects, packaging and marketing with major emphasis on sorghum crop. Experts from IIMR, National Institute of Nutrition, Indian Institute of Packaging and PJTS Agricultural University delivered the special lectures. Dr. Sunil Gomashe, Scientist, IIMR was the Course Coordinator and Smt. A Annapurna, ACTO was the Nodal Officer of this programme. Hands-on training on sorghum foods was organized by Smt. Vishala AD, ACTO and her team at Centre of Excellence.

Monitoring of Sorghum DUS testing trials

The sorghum DUS testing trials conducted at IIMR were monitored on 23 September 2015 under the Chairmanship of Dr. CL Laxmipathi Gowda, Former Deputy Director General (Research), ICRISAT as per

समाचार सारांश

ज्वार के विविध खाद्य के उपयोग हेतु मूल्य-वर्धन प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान में रा.खा.सु.मि. के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य से आए कृषकों तथा कृ.वि.कें. के तकनीकी अधिकारियों के लिए 22-23 सितंबर, 2015 के दौरान *ज्वार के विविध खाद्य के उपयोग हेतु मूल्य-वर्धन प्रसंस्करण* पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में 50 सहभागियों ने भाग लिया । डॉ. वी ए टोणपी, प्रभारी निदेशक ने उद्घाटन भाषण दिया । डॉ. वी आर भागवत, प्रधान वैज्ञानिक ने ज्वार मूल्य शृंखला परियोजना के अनुभवों व प्रभाव पर सिंहावलोकन प्रस्तुत किया । डॉ. बी दयाकर राव, पाठ्यक्रम निदेशक ने इस पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की । डॉ. सुनील एस गोमाशे, वैज्ञानिक इस कार्यक्रम के समन्वयक तथा श्रीमती ए अन्नपूर्णा नोडल अधिकारी थीं ।

ज्वार *डस* परीक्षणों का अनुवीक्षण

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार डॉ. सी एल लक्ष्मीपति गौडा, भूतपूर्व उप महानिदेशक (अनुसंधान), इक्रिसेट की अध्यक्षता में 23 सितंबर, 2015 को भाकअनुसं में आयोजित ज्वार *डस* परीक्षणों का अनुवीक्षण किया गया । अनुवीक्षण समिति के सदस्य डॉ. एच पी यादव, परियोजना समन्वयक तथा नोडल अधिकारी (डस), बाजरे पर अ.भा.स.अनु.प., जोधपुर भी उपस्थित थे । डॉ. दिपल राय चौधरी, संयुक्त रजिस्ट्रार ने पौ.कि.कृ.अधि.सं. प्राधिकरण, नई दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया । डॉ. विजय आर शेल्लार, बीज अनुसंधान अधिकारी, बीज प्रौद्योगिकी अनुसंधान एकक, म.फु.कृ.वि., राहुरी तथा ज्वार पर *डस* परीक्षण हेतु सह-नोडल अधिकारी ने भी अनुवीक्षण में भाग लिया । डॉ. विलास ए टोणपी, प्रभारी निदेशक, डॉ. सी अरूणा, सह-नोडल अधिकारी तथा डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक भी अनुवीक्षण के दौरान उपस्थित थे । डॉ. एस के गुप्ता, निदेशक, रेगुलेटरी अफेर्स, हायटेक सीड इंडिया प्रा.लि. ने निजी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया । डॉ. हरिप्रसन्ना के, नोडल अधिकारी, भाकअनुसं ने विविध उम्मीदवार किस्मों के डस परीक्षणों का ब्योरा प्रस्तुत किया । म.फु.कृ.वि., राहुरी में भी अयोजित डस परीक्षणों का अनुवीक्षण किया गया तथा हैदराबाद एवं राहुरी में पाई गई भिन्नताओं की तुलना की गई ।

ज्वार में *डस* दिशा-निर्देशों की समीक्षा हेतु कार्यदल की बैठक

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली ने ज्वार तथा बाजरे में *डस* परीक्षण दिशा-निर्देशों की समीक्षा एवं

संगतता के लिए डॉ. सी एल लक्ष्मीपति गौडा, भूतपूर्व उप महानिदेशक (अनुसंधान), इक्रिसेट की अध्यक्षता में एक कार्य दल का गठन किया । भाकअनुसं में 23 सितंबर, 2015 को उक्त कार्यदल की बैठक आयोजित की गई ।

संस्थान अनुसंधान परिषद (संअनुप) की बैठक

डॉ. टी जी नागेश्वर राव, कार्यकारी निदेशक की अध्यक्षता में नए परियोजना प्रस्तावों पर विचार-विमर्श हेतु 5 सितंबर, 2015 को संस्थान अनुसंधान परिषद की बैठक आयोजित की गई । डॉ. आई के दास, संअनुप के सदस्य-सचिव एवं डॉ. एच एस तलवार, प्रभारी, पीएमई कक्ष के द्वारा उक्त बैठक का आयोजन किया गया ।

भातिअनुसं, हैदराबाद में ज्वार स्टाल

भाकअनुसं ने 12 सितंबर, 2015 को भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (भातिअनुसं), हैदराबाद में ज्वार स्टाल लगाया तथा दस उद्यमी सहित 300 से ज्यादा लोगों ने उक्त स्टाल का निरीक्षण किया तथा ज्वार उत्पादों में अपनी रुचि दर्शायी ।

डॉ. आर आर चापके को श्रेष्ठ प्रपत्र पुरस्कार

डॉ. आर आर चापके, वरिष्ठ वैज्ञानिक को हैदराबाद में 3-4 सितंबर, 2015 के दौरान गूड गवर्नेंस इन एग्रिक्लचरल एक्सटेंशन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *इन्हेंसमेंट कॉम्पिटेंसी ऑफ एक्सटेंशन फंक्शनरी थ्रू नेशनल ट्रेनिंग ऑन इम्प्रूव्ड सोरघम कल्टिवेशन* नामक प्रपत्र हेतु उत्तम प्रपत्र पुरस्कार प्रदान किया गया ।

व्याख्यान

डॉ. सुजय **रक्षित,** प्रधान वैज्ञानिक ने 05 सितंबर, 2015 को भाकअनुसं में *रिसर्च डाटा मैनेजमेंट इन आईसीएआर इंस्टिट्युट्स एंड डिजिटलाइजेशन ऑफ एग्रिकल्टर रिसर्च* पर सेमिनार प्रस्तुत किया । जिसमें सभी वैज्ञानिकों, छात्रों तथा तकनीकी स्टाफ ने भाग लिया ।

अतिथि व्याख्यान

डॉ. महेश कुमार, तकनीकी अधिकारी (हिंदी) ने 03 सितंबर, 2015 को राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद के अधिकारियों के लिए "राजभाषा कार्यान्वयन एवं हिंदी में टिप्पण तथा आलेखन" विषय पर अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

सेवानिवृत्त

श्री एन भिमय्या तथा श्रीमती एन लक्षम्मा, कुशल सहायक कर्मचारी अधिवर्षिता पर 30 सितंबर 2015 को सेवा-निवृत्त हुए । *कदन्न परिवार उक्त दोनों के खुशहाल एवं स्वस्थ जीवन की कामना करता है !*

आगन्तुक

प्रोजतेराकृविवि से स्नातकोत्तर छात्रों का दौरा

कृषि महाविद्यालय, प्रोजतेराकृविवि, हैदराबाद से डॉ. नारायणम्मा, प्रोफेसर के नेतृत्व में 17 छात्रों के दल ने 23 सितंबर, 2015 को संस्थान का दौरा किया । डॉ. एन कन्नबाबु ने उन्हें संस्थान में संचालित अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की ।

- डॉ. महेश कुमार

the guidelines of PPV&FR Authority. Dr. HP Yadav, Project Coordinator & Nodal Officer (DUS), AICRP on Pearl Millet, Mandor, Jodhpur was one of the members of Monitoring Committee. Sh. Dipal Roy Choudhury, Joint Registrar, represented the PPV&FR

Authority, New Delhi. Dr. Vijay R Shelar, Seed Research Officer, Seed Technology Research Unit, MPKV, Rahuri and Co-nodal Officer for sorghum DUS testing also participated in the Monitoring. From IIMR, Dr. Vilas A Tonapi, Principal Scientist and Director in-charge, Dr. Aruna C, Principal Scientist and Co-nodal Officer, and Dr. Elangovan M, Principal Scientist also attended the monitoring. Dr. SK Gupta, Director - Regulatory Affairs, Hytech Seed India Pvt. Ltd. represented the private sector.

Dr. Hariprasanna K, Nodal Officer, IIMR explained the DUS testing for different candidate varieties taken up along with the claimed distinct characteristics for each candidate variety and the expression of the same at IIMR. There were 17 candidate and 19 reference varieties under 1st year testing, and six candidate and 15 reference varieties under 2nd year testing. The Chairman appreciated the overall conduct of DUS testing trials. Wherever there was slight difference in the observed and claimed traits, it was noted and all the committee members agreed with the observation of the Nodal Officer. Dr. Hariprasanna informed the Monitoring committee that the farmers' varieties tested during the season were found to be adapted to rabi season and hence the committee agreed to test the entries again during the ensuing rabi season. He also requested the Joint Registrar to provide the passport data of candidate varieties well in advance for selecting appropriate reference varieties before sowing. The report of the monitoring team and DUS test proformae for the candidate varieties were prepared by the team. The DUS testing trials conducted at MPKV, Rahuri, the Co-nodal centre was monitored on 26th September 2015 by Dr. Hariprasanna K. Drs. Shelar and AR Karjule, MPKV, Rahuri coordinated the monitoring. Mr. RS Sawant, sorghum breeder from Hytech Seed India Pvt. Ltd. participated in the monitoring. The crop had already reached physiological maturity and the expression of majority of claimed DUS traits in candidate varieties were similar at both the locations. The committee noted the differences in observations at Rahuri compared to Hyderabad.

Task Force Meeting for Review of DUS Guidelines in Sorghum

The PPV&FR Authority, New Delhi has constituted a Task Force under the Chairmanship of Dr. C L Laxmipathi Gowda, Former Deputy Director General (Research), ICRISAT to review and harmonise the DUS testing guidelines in sorghum and pearl millet.

Dr. HP Yadav, Project Coordinator & Nodal Officer (DUS), AICRP on

Pearl Millet, Mandor, Jodhpur is the other member of the Task Force apart from Director, IIMR and Dr. Hariprasanna K, Senior Scientist, IIMR and Nodal Officer (DUS). Dr. Vijay R Shelar, Seed Research Officer and Co-nodal Officer, MPKV, Rahuri; Dr. Vilas A Tonapi, Principal Scientist, IIMR and Dr. BVS Reddy, Former Principal Scientist (Sorghum), ICRISAT are the invited members of the Task Force. Sh. Dipal Roy Choudhury, Joint Registrar, PPV&FR Authority is the member secretary. The first meeting of the Task Force to review the sorghum DUS testing guidelines was held at IIMR on 23 September 2015. Dr. Hariprasanna welcomed the Chairman and all the members, and briefly stated the background for the proposed meeting. Sh. Choudhury gave the brief historical developments leading to DUS testing in crops in India. The Chairman in his initial remarks explained the purpose of the Task Force and the need to review the existing DUS test guidelines, and the expectations out of the meeting. Following this, Dr. Hariprasanna presented the overall progress of DUS testing in sorghum starting from 2008 covering the type of candidate varieties undergone DUS testing, the contribution of different sectors, the analysis of candidate varieties applied for registration with regard to the number of claims, most and least commonly claimed distinctive characteristics, differences observed from the claims, type and frequency of reference varieties used, etc. He proposed the amendments to be made in the existing test guidelines with respect to the testing procedure, plot size, grouping traits, table of characteristics, new characteristics to be added, etc. The Task Force discussed elaborately each and every point put forth by the Nodal Officer and proposed the draft modifications to be incorporated in the test guidelines for consideration by the PPV&FR Authority. Discussions were also held on maintenance and characterization of reference and example varieties, development and strengthening of database, possibility of inclusion of molecular characterization in DUS testing, etc. All the plant breeders from IIMR also participated in the meeting. Dr. Aruna proposed the vote of thanks at the end of deliberations. This meeting was coordinated by Dr. Hariprasanna.

IRC meeting

Institute Research Committee (IRC) met under the Chairmanship of Dr. TG Nageshwar Rao, Acting Director, IIMR for discussing the new project proposals on 5 September, 2015. A seminar on ICAR Research Data Repository for Knowledge Management for ICAR-KRISHI portal was also delivered in this meeting. This was the 3rd IRC meeting of the institute after its up gradation to Indian Institute of Millets Research. A total of five new project proposals were presented and discussed. Details of the comments and suggestions received during presentation have been published as IRC proceeding. Dr. IK Das, Member secretary, IRC and Dr. HS Talwar, In-charge PME cell organized the meeting.

Sorghum stall at IIOR, Hyderabad

Indian Institute of Millets Research set up a stall in the farmers Day organized by Indian Institute of Oilseed Research, Hyderabad on 12 September, 2015. More than 300 visitors including 10 entrepreneurs visited the sorghum stall. The importance of sorghum as health and nutritious food was explained to the visitors and the relevant literature was distributed. They were told about the acceptability of sorghum foods as health food in urban areas, and how these products are becoming popular for diabetic or jaundice affected, and obese people. The visitors showed keen interest on the sorghum food products, and the scope for entrepreneurs. Smt. Vishala AD, ACTO and her team organized this show.

Best paper award to Dr. Chapke

Dr. RR Chapke, Sr. Scientist, IIMR received the "Best Paper Award" for the research article entitled "Enhancing competency of extension functionary through National Training on Improved Sorghum Cultivation". He received this award during the International Conference on "Good Governance in Agricultural Extension" held at Centre for Good Governance, Gachibowli Campus. Hyderabad during 3-4 September, 2015.

Four member IIMR team visited China

A four member team of scientists led by Dr TGN Rao, Acting Director, Indian Institute of Millets Research (IIMR) visited the Institute of Botany, Chinese Academy of Sciences, Beijing, China during 21-25 Sep 2015 . The visit was intended at coordinating the efforts and forging new collaborations with Chinese academy of sciences in the area of bio-fuels. The team was invited by the Chinese Academy of Sciences and the visit was sponsored by Chinese Embassy and IBCAS jointly. Prof HC Jing, the host scientist at IBCAS, presented an overview of the research on sweet sorghum in China including the genomics. An onsite visit to farmers' field and commercial silage unit with sweet sorghum were conducted. The Indian team members Drs.TGN Rao, B Dayakar Rao, KBRS Visarada and AV Umakanth presented on overview of millets in India, value addition of sorghum, new tools and techniques in sweet sorghum and sweet sorghum an ideal feed stock for biofuels. Joint discussions were held to explore the possible areas of mutual interest for future collaboration. Excellent opportunities exist for complementary research between IBCAS, Beijing and Indian research institutes including IIMR, other universities as well as other government, private and non-profit organizations. Possible areas under sweet sorghum improvement like Cold tolerance and higher productivity with high brix under low temperatures, Mechanization of sorghum cultivation, Value addition of sorghum, and Genomics of sorghum for possible collaboration were identified.

Guest Lecture delivered

Dr. Mahesh Kumar, Technical Officer (Hindi) delivered a Guest Lecture on "Official Language Implementation & Noting & Drafting in Hindi" to the staff of National Institute of Plant Health Management, Rajendranagar, Hyderabad on 03 September, 2015

Seminar

Dr. **Sujay Rakshit**, Principal Scientist, presented a seminar on "Research Data Management in ICAR Institutes and Digitization of Agricultural Research" at IIMR on 5 September, 2015. All scientists, students and technical staff attended this programme.

Superannuation

Sh. **N Bheemaiah** and Smt **N Lakshmamma**, Skilled Supporting Staff (SSS) couple of IIMR, superannuated on 30 September, 2015. Director and other staff remembered their services to this institute. Dr. TG Nageshwar Rao, Acting Director presented mementoes to

them on behalf of the staff recreation club. The IIMR staff wished them a happy and healthy retired life.

Visitors

Farmers from Ahmednagar

A group of seven trainee farmers from Ahmednagar district, Maharashtra visited IIMR on 11 September, 2015 to get detailed know-how about the sorghum and millet crop and its usefulness. Dr. RR Chapke, Sr. Scientist gave orientation about the latest production technologies developed at the institute. They were also briefed about the preparation of value-added products and health foods from sorghum by Smt. Vishala AD, Asst. Chief Technical Officer.

हिंदी चेतना मास समारोह

भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में सितंबर, 2015 माह को हिंदी चेतना मास के रूप में मनाया गया । डॉ. टी जी नागेश्वर राव, निदेशक, भाकअनुसं के द्वारा 01 सितंबर 2015 को माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलित करके उक्त समारोह का उद्घाटन किया गया । इस अवसर पर उन्होंने हिंदी चेतना मास के दौरान संस्थान में हिंदी

में हस्ताक्षर अभियान चलाए जाने की जानकारी प्रदान करते हुए सभी अधिकारयों एवं कर्मचारीयों से उसमें भाग लेने हेतु अपील की । इसके अलावा उक्त चेतना मास दौरान हिंदी में विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - वर्णमाला, काव्य-वाचन, शब्द-लेखन सामर्थ्य, अंत्याक्षरी, शब्द-संकेत एवं संज्ञान, टिप्पण एवं आलेखन, श्रुत-लेखन (शुद्ध लेखन), पाठ वाचन, निबंध-लेखन, वाद-विवाद, छोटे शब्दों एवं पदों का हिंदी में अनुवाद तथा प्रश्न -मंच का भी आयोजन किया गया । जिनमें वैज्ञानिक,

तकनीकी, प्रशासनिक तथा अनुसंधान सहायक, शोध छात्रों आदि ने बड़े-ही उत्साह व उमंग के साथ भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

संस्थान में 30 सितंबर 2015 को हिंदी चेतना मास के समापन समारोह का आयोजन किया गया । समारोह का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् गान से हुआ । सर्वप्रथम डॉ. वी आर भागवत, प्रभारी अधिकारी-हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया । संस्थान के निदेशक, टी जी नागेश्वर राव ने मुख्य अतिथि के रूप में पधारे डॉ. वी रविन्द्र बाबु, निदेशक, भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया । डॉ. वी आर भागवत ने संस्थान में संचालित राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी प्रगति प्रतिवेदन तथा डॉ. महेश कुमार, तकनीकी अधिकारी (हिंदी) ने

पॉवर पाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से हिंदी चेतना मास समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत

किया तथा उक्त समारोह को सफल बनाने के लिए संस्थान में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया । डॉ. जिनु जेकब तथा श्री सरोज कुमार सिंह ने संस्थान में संपन्न हिंदी चेतना मास समारोह के संबंध में अपने-अपने विचार व्यक्त किए ।

इस अवसर पर डॉ. रविन्द्र बाबु ने संस्थान में हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र एवं प्रतियोगिता के अन्य सहभागियों को कलम तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए । डॉ. नागेश्वर राव ने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को

प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु संचालित नकद पुरस्कार योजना के अंतर्गत श्रीमती वी एस जी पार्वती, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्री सरोज कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी एवं श्री सुनील कुमार, तकनीकी सहायक को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण -पत्र तथा मुख्य अतिथि एवं प्रतियोगिताओं के निर्णायकों को स्मृति चिह्न प्रदान किए ।

डॉ. रविन्द्र बाबु ने अपने संबोधन में कहा कि भारत एक बहुभाषी देश है और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात उसे जोड़े रखने का कार्य हिंदी को सौंपा गया तथा वह बहुत ही अच्छे ढंग से यह कार्य संपन्न कर रही है । इसके अलावा उन्होंने बताया कि आज तो हिंदी वैश्विक भाषा के रूप में उभर रही है और हमें भी उसमें अपना योगदान करना चाहिए । राजभाषा हिंदी का विकास तो हमारा कर्तव्य भी है । डॉ. नागेश्वर राव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्थान में संचालित हिंदी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन सही दिशा में हो रहा है तथा हमें इसे और आगे ले जाना है । अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन

तथा सामूहिक रूप से राष्ट्रगान के पश्चात समारोह का समापन हुआ । संस्थान में संपन्न पूरे हिंदी चेतना मास के कार्यक्रमों का संचालन एवं समन्वय डॉ. वी आर भागवत तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया ।

हिंदी कार्यशाला

भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 29 सितंबर, 2015 को संस्थान के वैज्ञानिक, तकनीकी व प्रशासनिक कुल 50 स्टाफ सदस्यों हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला के प्रारंभ में डॉ. वी आर भागवत, प्रभारी अधिकारी-हिंदी कक्ष ने कार्यशाला में उपस्थित सहभागियों का स्वागत किया तथा संस्थान में राजभाषा हिंदी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला ।

श्री जयशंकर प्रसाद तिवारी, सहायक निदेशक, केंद्रीय प्रशिक्षण उप संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे । उन्होंने *राजभाषा कार्यान्वयन : समस्याएं एवं समाधान* विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए बताया कि हर कार्य में

समस्याएं तो आती है और हमें उनसे डरकर कार्य नहीं छोड़ देना चाहिए, बल्कि उनका निराकरण करते हुए आगे बढ़ना चाहिए । इसके अलावा उन्होंने राजभाषा नीति-नियम, राजभाषा कार्यान्वयन हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के बारे में जानकारी देते हुए उन तक पहुंचने के आसान तरीके बताए । अंत में सहभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण किया । डॉ. महेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यशाला का समापन हुआ । इस पूरी कार्यशाला का समन्वय डॉ. वी आर भागवत तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया ।

रबी ज्वार केंद्र, सोलापुर में हिंदी सप्ताह समारोह

संस्थान के रबी ज्वार केंद्र, सोलापुर में 14-22 सितंबर, 2015 के दौरान हिंदी सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया । समारोह के दौरान हिंदी में छोटे शब्दों एवं पदों का हिंदी में अनुवाद, शुद्ध लेखन, हिंदी पाठ वाचन, निबंध लेखन व हिंदी गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । उक्त

समारोह का समापन 23 सितंबर, 2015 को आयोजित किया गया । समापन समारोह में प्रो. डॉ. दादासाहेब खांडेकर, हिंदी कक्ष, संगमेश्वर कॉलेज, सोलापुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे । समारोह के दौरान प्रो. खांडेकर जी ने कार्यालय में हिंदी भाषा के महत्व तथा उसके उपयोग के विविध आयामों पर प्रकाश डाला । केंद्र के प्रभारी, डॉ. प्रभाकर ने समारोह की अध्यक्षता की तथा केंद्र के कार्यकलापों के संबंध में जानकारी प्रदान की तथा उल्लेख किया कि हमारे कार्यालय में हिंदी कार्यान्वयन में प्रगति हो रही है । डॉ. मो.या. समदुर, डॉ. के के शर्मा, डॉ. परशुराम पतरोटी, श्री अशोक लिंबोरे, श्री जे एम नदाफ तथा सभी कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

Meetings (M) / Symposia (S)/ Workshops (W)/ Trainings (T) Conferences (C) attended

S. No	Name of the Official	Participated in	Type	Venue	Dates
1	D Balakrishna	Workshop on "New Programme on Bio-safety awareness and compliance Readiness "	W	NASC complex, New Delhi	23 Sept, 2015

Printed Matter / Book Post

To

Compilation, Editing & Lay-out :

Drs. KV Raghavendra Rao, VA Tonapi
HS Gawali, Sh. K Sanath Kumar &
Dr. B Venkatesh Bhat

Publisher:

Director,
ICAR-Indian Institute of Millets Research

From:

ICAR- Indian Institute of Millets Research (IIMR)

Hq. Rajendranagar, Hyderabad, 500 030
Tel: 040-24015349, 24018651
Fax: 040-24016378
Email: dsrhyd-ap@nic.in
Website: www.millets.res.in

Centre on Rabi Sorghum (IIMR), NH 9
Bypass , Shelgi, Solapur - 413 006 (Mah.)
Tel: 0217-2373456
Telefax: 0217-2373456
E mail: solapur@millets.res.in

Sorghum Off-Season Nursery, Warangal
Officer-In-Charge
Indian Institute of Millets Research,RARS, (PJTSAU)
Mulugu Road,
Warangal.